भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् द्वारा नराकास के तत्वावधान में – अखिल जनपद स्तरीय निबंध प्रतियोगिता

हिन्दी के प्रचार–प्रसार हेतु भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में दिनांक 21 नवम्बर 2014 को नराकास के तत्वावधान में – अखिल जनपद स्तरीय निबंध प्रतियोगिता, जिसका विषय 'घटते वन, बढ़ती आपदाएं' था, का आयोजन भा.वा.अ.शि.प. के सभागार में किया गया। इस अवसर पर श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प. मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार) ने वन अनुसंधान संस्थान एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् की स्थापना पर चर्चा की और बताया कि परिषद् हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए कटिबद्ध है और परिषद् एवं उसके संस्थानों द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए अनेक गतिविधियां निरंतर की जाती रहती हैं और आज की निबंध प्रतियोगिता उसी क्रम में आयोजित की जा रही है। उन्होने कहा कि हमे अपने दैनिक कार्यों में हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए और अपने सरकारी कार्य में हिन्दी भाषा के प्रयोग को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए प्रबल इच्छाशक्ति होनी चाहिए, इसके बाद ही इस दिशा में कोई प्रगति हो सकती है।

इससे पूर्व श्रीमती नीना खांडेकर, सहायक महानिदेशक (मी. व वि.) ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और सबसे राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार की दिशा में कार्य करने का आवाहन किया। उन्होने भा.वा.अ.शि.प. के सभी संस्थानों के बारे में बताते हुए परिषद् के राजभाषा प्रयासों पर चर्चा की।

नराकास की ओर से पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित नराकास, देहरादून के सदस्य सचिव श्री धूम सिंह ने सूचित किया कि नराकास, देहरादून को उसके प्रदर्शन पर महामहिम राष्ट्रपति जी से पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्होने परिषद् द्वारा किए गए आयोजन की भूरि–भूरि प्रशंसा की और परिषद् के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में नराकस, देहरादून के सदस्य कार्यालयों के लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

District level TOLIC Essay Competition at ICFRE, Dehradun

Indian Council of Forestry Research and Education organized district level essay competition in Hindi on the topic *"Ghatate van, badti aapdayen"* under the aegis of TOLIC on 21st November 2014 at ICFRE Auditorium. Shri Saibal Dasgupta, DDG (Extn.), ICFRE was the Chief Guest on this occasion. The programme started with the lighting of the lamp by the Chief Guest. Speaking on the occasion Shri Saibal Dasgupta informed about the establishment of FRI, Dehradun and subsequently that of ICFRE. He told that ICFRE is striving hard for the implementation of Rajbhasha Hindi across the ICFRE and its institutes and for this purpose, the Council regularly conducts various activities for promotion of Hindi and, the essay competition being organized today is also a part of these activities. He opined that we must adopt Hindi for day to day working and try to increase the use of Hindi in our official work. For this, we should have the willingness to do so and then only can we make any progress.

Earlier, Smt. Neena Khandekar, ADG (M&Extn.), ICFRE welcomed all the guests and participants to the function urging them to work towards promotion of Hindi language. She then enlightened the audience about all the ICFRE institutes and efforts being made by the ICFRE for implementation of Rajbhasha Hindi.

Shri Dhoom Singh, Member Secretary, TOLIC, Dehradun was present at the event as observer from TOLIC, Dehradun. He informed that the TOLIC, Dehradun has been awarded for its excellent performance by the President of India. He praised the efforts of the Council in the organization of this event and expressed his gratefulness towards the Council.

About 50 participants from the member offices of TOLIC, Dehradun participated in the event.